



---

.. shrIbagalApanjaranyAsastotram ..

॥ श्रीबगलापञ्जरन्यासस्तोत्रम् ॥

Sanskrit Document Information



---

Text title : bagalApanjaranyAsastotram  
File name : bagalApanjaranyAsastotram.itx  
Category : devii, dashamahAvidyA  
Location : doc\_devii  
Language : Sanskrit  
Subject : philosophy/hinduism/religion  
Transliterated by : DPD  
Proofread by : DPD  
Latest update : June 21, 2017  
Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com  
Site access : <http://sanskritdocuments.org>

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

---

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

August 20, 2017

*sanskritdocuments.org*



---

## ॥ श्रीबगलापञ्जरन्यासस्तोत्रम् ॥

अथ पञ्जरन्यासस्तोत्रम् ।  
बगला पूर्वतो रक्षेद् आग्नेय्यां च गदाधरी ।  
पीताम्बरा दक्षिणे च स्तम्भिनी चैव नैर्ऋते ॥ १ ॥  
जिह्वाकीलिन्यतो रक्षेत् पश्चिमे सर्वदा हि माम् ।  
वायव्ये च मदोन्मत्ता कौबेर्या च त्रिशूलिनी ॥ २ ॥  
ब्रह्मास्त्रदेवता पातु ऐशान्यां सततं मम ।  
संरक्षेन् मां तु सततं पाताले स्तव्यमातृका ॥ ३ ॥  
ऊर्ध्वं रक्षेन्महादेवी जिह्वास्तम्भनकारिणी ।  
एवं दशदिशो रक्षेद् बगला सर्वसिद्धिदा ॥ ४ ॥  
एवं न्यासविधिं कृत्वा यत् किञ्चिज्जपमाचरेत् ।  
तस्याः संस्मरणादेव शत्रूणां स्तम्भनं भवेत् ॥ ५ ॥  
॥ इति श्रीबगलापञ्जरन्यासस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

Encoded and proofread by DPD.

---

.. shrIbagalApanjaranyAsastotram ..

Searchable pdf was typeset using XeTeXgenerateactualtext feature of Xe<sub>La</sub>TeX 0.99996

on August 20, 2017

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

